

તારીખ -

ધોરણ - 6

વિષય - સામાજિક વિજ્ઞાન

સમય - 3 કલાક

સ્કીમ

કુલ ગુણ :- 80

પ્રશ્ન-1 (અ) સ્વાર્થેલ વિકલ્પમાંથી યોગ્ય વિકલ્પ પસંદ કરી જવાબ લખો. (10)

દરેકનો-એક  
ગુણ

- 1 [A] મદ્યપ્રદેશ
- 2 [C] 10
- 3 [B] ભૂજીવહુની સ્માંલર છાલ
- 4 [A] 16
- 5 [C] કાલિબંગાન
- 6 [B] ભટકતું જુલન
- 7 [A] બે
- 8 [C] સ્પતિલેખો
- 9 [B] ઉદ્યોગ
- 10 [A] વૈશાલી

[બ] નીચેના વિધાનો અસંકેષોટા જગાવો. (05)

દરેકનો  
1  
ગુણ

1	X
2	✓
3	✓
4	X
5	X

(ક) બંધવૈસલા યોગ્ય બોડકાં બોડો. (05)

દરેકનો  
1  
ગુણ

બ (જવાબ)

- 1 સ્વજગૃહ
- 2 લાહશિલા
- 3 કૌશાલી
- 4 ઉજ્જયિની



09/15

प्रश्न: 2 (अ) नीचेना प्रश्नोंना जवाब जै-त्रण वाक्यां लखी. (12)

हरिद्वारा  
3  
पुल

(जबे ते थार)

1. जलराज्योंनुं सभाज गुवन पर्वी

- जवाब - जलराज्यां लोको साहा धरीं वरिता हता
- यशुपालननी प्रवृत्ति साचे संज्यायैला लोको धरुं, थोपा, जव, शीरडी लल, अरसव, उठीर जवा पाकि पाव लैता हता.
  - लोको भाटीना वासणोनी उपयोग रशीधीअने लोचनना कार्यं डरता हता.
  - प्राचीन जलराज्यांची प्रायत धर्यैल लुप्त शरंणना शिथिल वासणो (धूसरपत्र) ले वातनी आतरी करायै हे.

2. इडचीय सल्लताना नगरना रस्ताअनी परिचय व्यापो. 9

जवाब इडचीय सल्लताना नगरं रस्ताअनी रथना सुविधाजनक हती. शहरना मुख्य जै राजमार्गो हता. जे उत्तरची हरिद्वारा अने पूर्वची पश्चिम तरफ जता हता. मुख्य मार्गोनी अमांतरे वीरीयो आवैली हती. रस्ताअनी अडळीकाने आठपुणे आपता हता. इपरांत, अडिर रस्ताअनी पर रात्रि प्रकाशनी व्यवस्था पाव करवां आवैली हती. आम, इडचीय सल्लताना नगरना रस्ताअनी रथना सुंदर, सुविधाजनक अने सुनिश्चित हती.

3. अग्निना उपयोगची आविष्कारना गुवनं कुपुं परिवर्तन व्यापुं 8

जवाब अग्निना उपयोगची आविष्कारना गुवनं कालिदारी परिवर्तनो व्याप्या. जेअके ले अग्निनी ग्रहणी मांसने कोडी शक्यो. अग्निची प्रकाश जेवळी शक्यो अने तीना उपयोगची जंगली पाळीअोची यालानुं रथुण करी शक्यो.

4. हीलहास जलवाना स्ति कथा-कथां हे. 8

जवाब हीलहास जलवाना मुख्य स्ति अलि लैथी, लाडयत, लोचयत, लात्रयत, सिद्धा, पुरातत्वशास्त्रीअो अने -



(12)

इतिहासकारिणां संशोधनो अने विविध प्रवासीयौना प्रवास-  
वर्णननी नोंधो ही.

5 लोथल विशे नोंध लघी.

जवाब

लोथल अमे इड्यीय अल्यतानुं ग्रुप्य अंहर इतुं अमहावाह  
मुल्लानो धोलका लालुशानो लीगवो नहीना पिनारे आवैलुं हे.  
प्राचीन समयना अमेक विचारी अंहर अने अौद्यौगिक नगर  
अमेवा लोथलवां हांशीनुं अनेलुं अमेक दड्डो (Dockyard) नुं  
माळधुं अवी आव्यु हे. तेनी इपथीग वहागीने लंगरीने बाल-  
आमाने अहाववा ठोतारवा इपथीगवां लीवालुं इतुं अवेनुं अनाथ हे.  
लोथलवां लघ्यारी अने अलगका अनाववांनी इड्यीय अमी  
आवैल हे अया लवाग लालली लोथलने इड्यीय अल्यतानुं  
अमुधुं अने आंतरराष्ट्रीय विचारी अंहर हांवांनुं प्रस्थापित  
करे ही.

(क) डूंक नोंध लघी (गभेले अमेक)

(13)

संस्कृत  
3  
पुणे

1) अलिलेधो अने शिलालेधो.

- प्राचीन समयना राज्यां विजय, धर्म अने संस्कृति के  
अन्य राज्य साथ घथेल सभकुतीनी भाइली धातुना  
पलशं के पथरी इगरे कौतरावता हला. तने अलिलेधो अहेवाव हे.  
जथारे शिलालेधो के पथरी पर कौतरैला के लघैला  
लेधोने शिलालेधो तरीके यणे औजधवाभां आवै हे.
- शिलालेधो अने अलिलेधो पर लघ्यावैला लघ्याणी  
लांघा समय सुधी रही हे. ते अथर नीले हेची शडाला  
हला, अया आधरनी वर्धा सुधी भाइली अयाची शडला हला.
- अलिलेधो पर लघवाना मुश्किली अनी हली के उडणे पथरी के  
लाभपती पर लघवानुं अर्थ धुलक उडन इतुं अया लघ्याणे  
लघवा आटे धुलक समय लेवाता हतो.
- लारलवां सभ्राट अशौकनां शिलालेधो धुलक जालीलां हे.

2) इड्यीय संस्कृतिनी नगररथन

आयोजनअधे नगररथन। अमे इड्यीय अल्यतानी



ધર્મથી હતી.

- ઉડચીય સંસ્કૃતિના મકાનોના મીઠા તાગે દાંડો વચરાતી પુર અને લેજધી વચરાવા મકાનો ઊંચા ચીરલા પર વ્યાંધવાબંધ આવતા.
- લગ્નામ સ્થળોએ પશ્ચિમ તરફ કિલ્લા અને પૂર્વ તરફ સામાન્ય પ્રખરી વસાવત હતી. બંનેને જુદા પાડતો રાજમાર્ગ વચર્યો હતો તેમજ કિલ્લાની ફરતે કોટ હતો.
- અહીંનાં મકાનોની એક વિશેષતા એ હતી કે, મકાનના દ્વાર મુખ્ય રસ્તા પર પડવાને બદલે અંદરની તરફ પડતાં અહીં એક અને બે માળનાં મકાનો બંધાવવામાં આવતા હતા. સમગ્ર નગર ચીરસ અને લંબચીરસ વિલાગીમાં વહેંચાઈ ગયા હતા.
- મકાનોના પાળીના કુવા, સ્નાનઘૃહ, ગંદાપાળીના નિકાલની વ્યવસ્થા આધુનિક વ્યવસ્થા હતી. આમ, આયોજનની દૃષ્ટિએ સિંધુ સંસ્કૃતિનીના નગરો સુનિયમિત હતા.

પ્રશ્ન:-3 (અ)

દરેકનો  
1  
ગુણ

આપેલ વિકલ્પોમાંથી યોગ્ય વિકલ્પ પસંદ કરી  
ઘાલી જઠ્યાઓ પૂરો (કૌંસના નવ વિકલ્પ આપવા)

(૦૪)

- 1 મરાઠી
- 2 લીકશાહી
- 3 ગુજરાત
- 4 અમદાવાદ
- 5 ભાંગડા
- 6 વ્યક્તિ
- 7 જેન
- 8 કાલદા

દરેકનો  
2  
ગુણ

[બ] નીચેના પ્રશ્નોના જવાબ લખો (ગમતે ૬)

(12)

- 1 સરકારની જરૂર શા માટે છે ?  
જવાબ દેશના સંચાલન કે નિર્ણયો લેવા માટે સરકારની જરૂર પડે છે.



2. व्यापक देशों कहीं-कहीं लक्ष्मणों की जात है ?

जवाब व्यापक देशों में हिन्दी, अंग्रेजी, गुजराती, बंगाली, मराठी, पंजाबी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, उड़िया अनेकों की जात की जाती है।

3. सरकार का मुख्य प्रकार कौन सा है ?

जवाब सरकार का मुख्य प्रकार है  
① स्थानिक सरकार ② राज्य सरकार ③ राष्ट्रीय सरकार

4. व्यापक देशों की जाति क्या-क्या धर्मों पाते हैं ?

जवाब व्यापक देशों की जाति हिन्दू, इस्लाम, ख्रिस्ती, शीख, बौद्ध, जैनों अनेक धर्मों पाते हैं।

5. राजशाही सरकार की बाहरी व्यापक

जवाब जहाँ सरकार की जाति राजशाही के तहत राजशाही देशों में व्यापक है। राज सर्वोच्च शक्ति की होती है। अनेक राज्यों में यह व्यवस्था पायी है।

6. राष्ट्रीय अर्थिका को बढ़ावा ?

जवाब कुछ-कुछ धर्मों, लक्ष्मणों तथा बालिकाओं की जाति पालना, राष्ट्र बाँट, प्रेम, सम्मान, देश भाँटे तथा गनी जातना तथा लाहलक्ष्मणों जातनीको अर्थ सम्मान लाये अनुभव की जाते हैं।

7. व्यापक देश क्या कारणों विविधतावाली देश बनते हैं ?

जवाब व्यापक देशों में धर्म, जाति, प्रजातंत्र, आमजन, पोसाक, रीति-रिवाज, लक्ष्मणों विपरीत विविध प्रदेशों में व्यापकता, लक्ष्मणों, अनेक जातों के विविधताओं को कारणों विविधतावाली देश बनते हैं।



प्रश्न- 4 (अ) नीचीना फुनीना प्नेत्रण वाङ्मयां ज्वाप लयी (गभिले वी)

(66)

1. पृथ्वी पीतानी धरी पर न इरे तो शुं चाथ ?  
ज्वाप - हिवस अने रात्री चला नधी. परिणामे जे ज्वापे हिवस होय त्यां हिवस अने जे ज्वापे रात्री होय त्यां अंधारुं जरे. उचराल छे पृथ्वी पीतानी धरी पर न इरे तो विविध जंतुओंनां परिचालन चला नधी. जे मानव ज्वापने सीधी विपरीत असर इरे ही.

हरिनो  
3  
गुण

2. मृदापरण अरेले शुं ?  
ज्वाप - मृदा अरेले माही. पृथ्वी इयरेनो पीयडे सामान्यरीले माही अने धन यदार्धानी पनीली ही तेची आ लागने "मृदापरण" इरे ही. जेने 'मृदापरण' अने 'धनापरण' वरीडे पाणे औलपवावां आवी ही.

3. उत्तराण अरेले श ?  
ज्वाप - उत्तराण अरे अचडोशंभुं सुर्यनी अरेड स्थिति ही उत्तरां गमन आ हिवसे सुर्य अरेड व माथा उपर होय ही. अने त्यारे सुर्य हररोड उत्तर दिशा लरड नमतो अथ ही आभ, सुर्य उत्तर दिशा लरड असवानुं आलु इरे ते हिवसने उत्तराण लरीडे औलपवावां आवी हे. उत्तराणनी आर्या हिवस 22 डिसेम्बर ही.

[ब] इंद्रनीध लयी (गभिले अरेड)

(67)

1. सुर्य

हरिनो  
3  
गुण

आभाणा रोजना कर्षनी शरुआल ज सुर्योदयची चाथ हे. सुर्य सन्मानित लरी ही ते पृथ्वी परना ज्वापने दाला वलाय ही. सुर्य पृथ्वी इरला लुवलज 13 लाख गजो वीथे ही. तेनी इरले जे अरेड अकर लगाधुं होय तो 1000 डिग्रीने वेगध.



०६

जलता विमानां वैश्वीने करीयै ती १०० वर्ष नीडवी अवधे सूर्यनु  
 कुसुत्वाडर्भेणवप पृथ्वी अस्ता २६ गजु वधारे है. आधी न  
 पदार्थनु वजन पृथ्वी पर । किंता चाय लेनु वजन सूर्यनी सघारी  
 पर २६ किंता चाय आ गुरुत्वाडर्भेण शक्तिने लक्षित गही  
 पोलना थोडस भारमा रहला है. अने लेनी आसपास इरे ही  
 पृथ्वी तेनाधी १५ करोड किमी इर ही सूर्यना प्रकाशने धरतीपर  
 पडोयला अवा आठ मिनिटनो समय लागे है. सूर्यमा अने ५  
 किमी लांबी प्रकवलित घली अग्निज्वालाअगोने अभावैर) चाय है  
 सूर्यनी उर्ध्वी पृथ्वीपर अक्सिजिन विकास पायी है तेथी  
 सूर्यने "अनुवौना पालक" तरीके पणे औद्योगिकवां आवे है.

## २ वातावरण

- पृथ्वीनी सारेवाङ्कु वांटाणीने आवैला लगलग ४००  
 किमीनी उंचाही सुधाना विविध वायुना आवरणने वातावरण  
 कहै है - वातावरणने नरी आंचे अहा शक्तिनु नधी. वातावरण  
 अंध, गंध अने स्वाद रहित होय है.
- वातावरणमां वायुअनी, पानीनी वरण, धूलनारुडणो, इल्लु  
 अणो हासडणो तथा सूक्ष्म कणुअो होय है.
  - वातावरणमां नाईशिकन, अमोडिसकन, अमोडिनेन, हायड्रन -  
 अथोडमाहीड केवा मुख्य वायुअो आवैला है. उंचर जला  
 वायुनु प्रमाण घटे है. हायड्रन अथोडमाहीड २० किमी-मुधी  
 अमोडिसकन ११० किमी नाईशिकन १३० किमी अने वातावरणमां  
 अमोधी नीयला स्तरे हायड्रन अथोडमाहीड अने अमोधी उंचला स्तरे  
 हायड्रन अने हायड्रिजिन केवा इल्लु वायु है.
  - वातावरणमां रहिल अमोडिनेन वायु सूर्यना पारखंजली  
 किरनीनु शोषण करी पृथ्वीने सूर्यनी प्रशंड गरमीची  
 अचयि है.
  - वातावरणना आध्यात्मकी अवाज आंजली शक्य है.

उरही  
मीनां

ही

उरही

उरही

उरही

उरही

उरही

उरही



हरिकोण ३

प्रश्न:- 5 (अ) मनी शौण्डी

(03)

- 1 गुनु
- 2 भूध्वी
- 3 शंभ्र

[ब] व्याख्या / संक्षेपना श्यापी (गभेले ले)

(04)

हरिकोण  
2  
गुण

1 जलावरण

भूध्वीनी अचादीनो नीयागवाजे भाग पाणीची दौरावेलो हे चने जलावरण उडवासां व्यापे ही

2 गुवावरण

भूध्वीना तृदावरण, जलावरणी अचने वातावरणां चें भागसां गुवावरण व्यापी हे लेने गुवावरणी उडे ही

3 परिभ्रमण

भूध्वी पोलानी धरी पर पश्चिमाची भुव दिशासां गोल अड्डर लगाये ही लेने परिभ्रमण उडे ही

(क) लारवणा रेषांजित नडकासां नकराभूति उरो

(04)

- 1 उड्डल
- 2 सिंधुनही
- 3 बापवानो उर्याभ्रंहर
- 4 मालव्यारण

प्राधिकाउनु नाम  
कस्तूरवा कुम्या विद्यालय  
उर्या प्राधिकाउ विभाग  
मडवाला किल्लेन अंम  
81603 28601



# Exercise-6 सामान्य विज्ञान

Name \_\_\_\_\_ Date \_\_\_\_\_

Std. \_\_\_\_\_ Div \_\_\_\_\_ Roll No. \_\_\_\_\_



1. Based upon Survey of India Map with the permission of the Surveyor General of India.
2. The territorial waters of India extend into the sea to a distance of twelve nautical miles measured from the appropriate base line.
3. The responsibility for the correctness of internal details rests with the publisher.
4. The interstate boundaries between Assam, West Bengal, Assam and Meghalaya shown on this map are as interpreted from the North-Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971, but have yet to be verified.
5. The administrative headquarters of Chandigarh, Haryana and Punjab are Chandigarh.
6. The interstate boundaries between Uttaranchal & Uttar Pradesh, Chhattisgarh & Madhya Pradesh and Jharkhand & Bihar have not been verified by the Government concerned.
7. The external boundaries and coastlines of India agree with the Record Master Copy certified by Survey of India.

© Government of India, Copyright 2004